RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 10 जून 2025 वर्ष 07 अंक 53 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : माहिम से लापता 6 साल की बच्ची को पुलिस ने कुछ घंटों में ढूंढ निकाला...

मुंबई : माहिम पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक महिला निवासी श्रीमती सितारा मोहम्मद अमीन हासमी, उम्र 33 वर्ष, जो कि चामुंडा मेडिकल के पास, नयानगर स्लम, रहेजा अस्पताल के सामने, माहिम पश्चिम मुंबई में रहती थीं, की उनकी 6 वर्षीय बेटी ने 09/06/2025 को सुबह 09.00 बजे गुम होगई सुबह वह अपने भाई के साथ दूध लेने के लिए घर से निकली, लेकिन वह घर वापस नहीं लौटी। इसलिए शिकायतकर्ता व परिजनों ने पीड़ित लड़की की हर जगह तलाश किए लेकिन उसका कहीं पता नहीं चलने पर उन्हें संदेह हुआ कि पीड़ित लड़की को किसी अज्ञात व्यक्ति ने अगवा कर लिया है। शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उन्होंने माहिम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। 274/2025 भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 137 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया। उक्त मामला दर्ज होते ही माननीय पुलिस उपायुक्त, जोन 05, मुंबई ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए तुरंत धारावी पुलिस स्टेशन और शाहूनगर पुलिस स्टेशन से 02 टीमें अपराध की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक माहिम पुलिस स्टेशन को उपलब्ध कराईं। श्री संजय पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, माहिम पुलिस स्टेशन ने गुमशुदा पीड़ित लड़की की तलाश के लिए 04 पुलिस टीमें गठित कीं और तलाश के लिए निर्देश और मार्गदर्शन दिया।

माहिम पुलिस स्टेशन क्राइम डिटेक्शन टीम ने घटना के क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के साथ-साथ पीड़ित लड़की के रास्ते की जांच की और पाया कि पीड़ित लड़की अकेली धारावी की ओर जा रही थी। यह जानकारी पीड़ित लड़की की तलाश कर रही सभी टीमों को दी गई। जब पुलिस टीमें धारावी क्षेत्र में पीड़ित लड़की की तलाश कर रही थीं, दिनांक 09/06/2025 को 22:45 बजे, पुलिस टीम ने पीड़ित लड़की को धारावी बड़ी मस्जिद के सामने, मेन रोड, धारावी मुंबई से बरामद किया।

सूचना तत्काल पूरी टीम को दी गई तथा पीड़ित लड़की को आगे की कार्रवाई के लिए माहिम पुलिस स्टेशन लाया गया। पीड़ित लड़की से घटना के बारे में पूछताछ की गई तथा पीड़ित लड़की को शिकायतकर्ता को सौंप दिया गया। शिकायतकर्ता एवं परिजनों ने मुंबई पुलिस का बहुत ही कम समय में लड़की को ढूंढकर सुरक्षित वापस लाने पर आभार व्यक्त किया है। मामला दर्ज होने के 06 घंटे के भीतर ही मामले को सुलझा लिया गया।

उत्कृष्ट कार्य श्री विक्रम देशमाने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, मध्य क्षेत्रीय प्रभाग, श्री गणेश गावड़े पुलिस उपायुक्त परिमंडल 05, माननीय श्री अरुण भोर, सहायक पुलिस आयुक्त, माहिम डिवीजन, श्री संजय पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, माहिम पुलिस स्टेशन, मुंबई, श्री. पोपट आव्हाड, पुलिस निरीक्षक (प्रशासन) माहिम के मार्गदर्शन में माहिम पुलिस स्टेशन सपोनी सागर भोकरे, बालासाहेब पोटे, मच्छिन्द्र सनप, चंदनशिव उनकी टीम द्वारा

पालघर में एमएसईडीसीएल अधिकारी 30 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

पालघर : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पालघर में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के एक अधिकारी को बकाया कम करने के लिए बकायेदार से कथित तौर पर 30,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एसीबी ने कहा कि एक व्यक्ति का बिजली मीटर 2010 से बंद था, जिसके कारण उस पर 2,06,920 रुपये का बिल बकाया हो गया। समस्या के समाधान को लेकर व्यक्ति ने एमएसईडीसीएल कार्यालय से संपर्क किया।

एसीबी ने कहा कि पालघर जिले में एमएसईडीसीएल के कार्यकारी अभियंता कार्यालय में उप प्रबंधक के रूप में तैनात 57 वर्षीय आरोपी ने कथित तौर पर 35,000 रुपये की रिश्वत देने पर बकाया राशि को घटाकर 60,000 रुपये करने की पेशकश की थी। आरोपी ने सोमवार शाम को शिकायतकर्ता से 30,000 रुपये स्वीकार करने पर सहमति जताई। रिश्वत की रकम लेते समय उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मानिकपुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

मजदूर की मौत मामले में ठेकेदार और बिल्डर के खिलाफ केस...

ठाणे : एक निमार्णाधीन इमारत की चौथी मंजिल से गिरकर 39 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मुंब्रा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार दोपहर को हुई घटना के संबंध में बिल्डर और ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है। मजदूर की पहचान दिवा कॉलोनी निवासी अर्जुन किशोरी पटवा के रूप में हुई है। वह निमार्णाधीन इमारत की चौथी मंजिल पर प्लास्टर का काम कर रहा था, तभी वह दुर्घटनावश गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बिल्डर और ठेकेदार मृतकों को बुनियादी सुरक्षा उपाय, जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराने में विफल रहे। बिल्डर और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

नवी मुंबई में तकनीकी खराबी के कारण लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित

नवी मुंबई : तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार सुबह मुंबई उपनगरीय नेटवर्क की हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं। अफसरों ने बताया कि नवी मुंबई के नेरुल में ट्रैक परिवर्तन बिंदु के पैनल में गड़बड़ी सुबह 8.03 बजे हुई और 45 मिनट तक रही। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि हार्बर लाइन पर उपनगरीय रेल सेवाएं 15 से 20 मिनट देरी से चल रही थीं। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि ट्रैक बदलने वाले पॉइंट पर क्लैंप लगाने तक दो ट्रेनें रोक दी गईं। इसके अलावा, वाशी और नेरुल के बीच सेवाओं को वैकल्पिक लाइन पर डायवर्ट किया गया।

आर्थिक तंगी के कारण भी परेशान 22 वर्षीय एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के छात्र ने कर ली आत्महत्या!

मुंबई : बायकुला में सरकारी जेजे अस्पताल के अपने छात्रावास के कमरे में 22 वर्षीय एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के छात्र ने आत्महत्या कर ली. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि रोहन रामफेर प्रजापति ने बॉयज हॉस्टल के अपने कमरे में पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली और डॉक्टरों ने रात करीब 11:50 बजे उसे मृत घोषित कर दिया. जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन के अधिकारी के मुताबिक छात्र पढ़ाई को लेकर दबाव में था. साथ ही वह घर की आर्थिक तंगी के कारण भी परेशान था. सोमवार को वह अपने कमरे में था. जब वह बाहर नहीं निकला तो उसके कमरे को खटखटाया गया.

ठाणे : कूड़ेदान में मिला जानवर का कटा सिर

ठाणे : शहर में एक कूड़ेदान में एक जानवर का कटा हुआ सिर मिलने के बाद इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस वागले एस्टेट क्षेत्र के हजूरी इलाके में पहुंची और तनाव को शांत किया। शव के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। बताया गया कि सिर भैंस का हो सकता है। वागले एस्टेट पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक

शिवाजी गवारे ने बताया कि कुछ लोगों ने इलाके के एक कूड़ेदान में पशु का कटा हुआ सिर देखा और शोर मचाया। इससे तुरंत भीड़ एकत्र हो गई और तत्काल पुलिस कार्रवाई की मांग उठने लगी। इस दौरान हिंदू संगठनों के कुछ कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को उठाया, विरोध प्रदर्शन किया और जांच की मांग पर अड़े रहे। पुलिस ने स्थिति को शांत किया। शव को जब्त कर लिया है और उसके नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं। हमें संदेह है कि शव भैंस का हो सकता है। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

संपादकीय...

दुर्लभ खनिजों के लिए हो रणनीति...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार युद्ध में कई अन्य देशों के साथ भारत भी पिस रहा है। अप्रैल में चीन ने कुछ भारी एवं मध्यम दुर्लभ खनिजों एवं इनसे जुड़े मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगाने की घोषणा की थी और कहा था कि इनके निर्यात के लिए लाइसेंस लेना आवश्यक होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तरफ से शुल्क एवं विभिन्न व्यापार प्रतिबंध लगाने की घोषणा के बाद चीन ने यह कदम उठाया था। इन तत्त्वों के निर्यात के लिए लाइसेंस लेने में कठिनाई पेश आ रही है और यह साबित करना भी कम पेचीदा नहीं है कि किन उद्देश्यों के लिए इनका इस्तेमाल किया जाएगा। इसकी वजह से भारत में भी विनिर्माण गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। चीन का आधिकारिक रूप से ज्ञात भंडार के 50 फीसदी हिस्से पर नियंत्रण है और निष्कर्षण और प्रसंस्करण क्षमता में इसकी क्रमशः 70 फीसदी और 90 फीसदी हिस्सेदारी है। ये खनिज वाहन, सोलर पैनल आदि के विनिर्माण में काफी महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

अब चीन से इन दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति बाधित होने से भारतीय उद्योगों को दूसरे विकल्पों पर विचार करना होगा। यह निश्चित था कि चीन कभी न कभी इन तत्त्वों की आपूर्ति रोक कर इनका इस्तेमाल व्यापार में हथियार के रूप में करेगा। वास्तव में चीन अपने इस हथियार का इस्तेमाल पहले भी कर चुका है। जब एक दशक से अधिक समय पूर्व चीन और जापान में तनाव चल रहा था तो उस समय चीन ने जापान और उसकी कंपनियों को इन तत्त्वों की आपूर्ति रोक दी थी। चीन के साथ अपने इस अनुभव से सबक लेते हुए जापान ने अस्थायी बाधाओं का सामना करने के लिए खनिजों का रणनीतिक भंडार तैयार कर लिया है और फिलिपींस और ऑस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों के माध्यम से एक वैकल्पिक आपूर्ति व्यवस्था का भी बंदोबस्त कर लिया है। भारत को भी इस तरह की तैयारी करनी चाहिए थी, विशेषकर वर्ष 2000 में गलवान में चीन के साथ सैन्य झड़प के बाद उसे इन खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास शुरू कर देना चाहिए था। अब भारत सरकार और कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है और यह दिख भी रहा है लेकिन इसमें तालमेल का अभाव दिख रहा है। सरकार ने ह्यकाबिलह्ल नाम से एक सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्थापित की है जिसका उद्देश्य आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त रखना है।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई हमारी है और हमारी ही रहनी चाहिए - आदित्य ठाकरे

मुंबई : मुलुंड स्थित कालिदास सभागृह में शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) की ओर से आयोजित एक मेळावे (सभा) में युवासेना प्रमुख आदित्य ठाकरे ने मार्गदर्शन किया. आदित्य ठाकरे ने अपने भाषण में मुंबई की अस्मिता (गौरव) पर जोर दिया. उन्होंने कहा, ''यह मुंबई हमारी है और हमारी ही रहनी चाहिए. कई उद्योगपति मुंबई आए और उन्होंने इसे अपनाया. अगर आप मुंबई में आना चाहते हैं, तो इसका सम्मान करें, यहां व्यापार करें, लेकिन मेरी मुंबादेवी का भी सम्मान करें.''

'मालिक' का विकास या आम जनता का? - आदित्य ठाकरे

धारावी पुनर्विकास परियोजना को लेकर आदित्य ठाकरे ने सरकार पर आरोप लगाए. उन्होंने कहा, ''मैं मानता हूं कि धारावी का विकास होना चाहिए. लेकिन 22 अक्टूबर 2022 को धारावी का जो टेंडर निकला, उस समय 'भ्रष्टनाथ मिंधे' (व्यंग्यात्मक नाम) ने घोटाला कर सरकार बनाई.'' उन्होंने सवाल उठाया, ''धारावी में विकास मालिकों का हो रहा है. उस मालिक का नाम क्या है?

जब मुख्यमंत्री ने धारावी का मास्टर प्लान मंजूर किया, उस बैठक में कोई मुंबईप्रेमी था क्या? कोई मुलुंड से था? कोई कुर्ला से था? नहीं. तो क्या यह मास्टर प्लान सिर्फ मालिक के लिए घोषित किया गया?'' उन्होंने आरोप लगाया कि मुंबई में एक धारावी थी, लेकिन अब सरकार कई धारावी बनाने की कोशिश कर रही है. ये सरकार धारावी के लोगों को अलग-अलग जगह पुनर्वसित करने की योजना बना रही है.

विधायकों पर निशाना: 'कोटेचा' या 'खोटेचा'?

जहा यह रॅली हुई वहा के स्थानिक विधायक मिहिर कोटेचा है. इस विधायक पर निशाना साधते हुए आदित्य ठाकरे ने तंज कसा कि ''ये विधायक कौन हैं? ये 'कोटेचा' नहीं, 'खोटेचा' हैं. ये सच बोल रहे हैं या झूठ? इसलिए इनका नाम 'कोटेचा' होना चाहिए या 'खोटेचा'?''

उन्होंने कहा, ''उन्हें प्रेमपत्र भेजो और पूछो कि 'तुम बोल रहे थे, उसका क्या हुआ? अब मालिक का विरोध करोगे या नहीं? कुर्ला का क्या हुआ? मदर डेयरी का क्या हुआ? वहां के विधायक तो गुवाहाटी चले गए थे. अब क्या वे जाकर 'भ्रष्टनाथ शिंदे' से सवाल पूछेंगे? ऐसा तीखे सवाल आदित्य ठाकरे ने सभा में उठाए.''

तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई...

मुंबईः मुंबई की 'जीवनरेखा' कही जाने वाली लोकल ट्रेनें अब मौत की पटरियों पर दौड़ रही हैं। मुंब्रा स्टेशन पर हादसे पर सवाल उठ रहे हैं। एक आरटीआई के मुताबिक, बीते तीन वर्षों में मुंबई लोकल में सफर करने वाले 7,560 यात्रियों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि 7,293 गंभीर रूप से घायल हुए। यह खुलासा मुंबई लोहमार्ग पुलिस (जीआरपी) द्वारा आरटीआई के तहत दी गई जानकारी में हुआ है। सस्ती, तेज और सुलभ लोकल यात्रा अब खतरनाक बनती जा रही है। अधिक भीड़, सीमित लोकल फेरे, अपर्याप्त सुविधाएं, स्टेशन के प्रवेशद्वारों पर सुरक्षा का अभाव और ट्रैक के पास बैरिकेडिंग की कमी आदि लोकल ट्रेन के हादसों का कारण बन रहे हैं।

ठाणे से कल्याण के बीच सबसे ज्यादा हादसे

सामाजिक कार्यकर्ता समीर जवेरी के मुताबिक, मध्य रेलवे रूट पर सबसे अधिक हादसे ठाणे से कल्याण के बीच हुए हैं। ठाणे और कल्याण जीआरपी थानों में 2024 में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज हुईं। इनमें कुल 387 लोगों की जान गई और 788 लोग घायल हुए। अकेले कल्याण में 116 मौतें और 157 घायल दर्ज किए गए, वहीं ठाणे में 68 मौतें और 107 घायल। इन अधिकतर मामलों में लोग चलती ट्रेन से गिरकर मौत का शिकार बने।

सवालों के घेरे में रेल प्रशासन

रेल यात्री परिषद के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा कि जहां एक ओर मुंबई की लोकल ट्रेनें रोज लाखों यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचा रही हैं, वहीं दूसरी ओर यह आंकड़े प्रशासन की लापरवाही की गवाही दे रहे हैं। सुरक्षा इंतजामों की कमी, ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी न होना और सिग्नलिंग सिस्टम की खामियां झइन सभी ने मुंबई की लोकल ट्रेन की यात्रा को असुरक्षित बना दिया है।

मुंबई : उप रजिस्ट्रार रिश्वतखोरी के मामले की जांच के लिए सीबीआई हिरासत में

मुंबई : एक विशेष अदालत ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरकण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के उप रजिस्ट्रार को रिश्वतखोरी के एक मामले की जांच के लिए एक दिन की सीबीआई हिरासत में भेजने की अनुमति दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उप रजिस्ट्रार चरण प्रताप सिंह और करसण गणेश अहीर को 29 मई को गिरफ्तार किया था। बताया गया था कि अहीर, चरण प्रताप सिंह की ओर से रिश्वत की रकम ले रहा है।

जांच में सामने आई जानकारी को ध्यान में रखते हुए अदालत ने कहा कि चरण प्रताप सिंह को एक दिन के लिए सीबीआई हिरासत में भेजने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद हैं। अदालत ने सीबीआई को मंगलवार को चरण प्रताप सिंह को हिरासत में लेने और अगले दिन फिर से अदालत में पेश करने की अनुमति दी। सीबीआई ने यह मामला 14 मई को दर्ज किया था। शिकायत एक होटल मालिक ने की थी, जो अपने भाइयों के साथ संपत्ति विवाद में था। यह मामला 2 नवंबर 2020 को एनसीएलटी मुंबई की कोर्ट नंबर 4 में दर्ज किया गया था और तब से लंबित है।

एजेंसी ने कहा कि वह गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी से और पूछताछ करना चाहती है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 11 मई को उप रजिस्ट्रार चरण प्रताप सिंह ने शिकायतकर्ता से 3.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसके बदले में वह एनसीएलटी मुंबई में अपने संपर्कों के जरिए मामले को शिकायतकर्ता के पक्ष में निपटवाने का वादा कर रहा था। बाद में, उन्होंने 3 लाख रुपये में समझौता कर लिया। सीबीआई ने इस मामले में जाल बिछाया और अभियान के दौरान अहीर रंगे हाथों 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। यह रकम वह उप रजिस्ट्रार सिंह की ओर से ले रहा था।

मुंबईः गूगलपे, फोनपे, पेटीएम जैसे ऐप्स इस्तेमाल करने वाले करोड़ों यूजर्स के लिए 1 अगस्त से तकनीकी बदलाव...

मुंबईः गूगलपे, फोनपे, पेटीएम जैसे ऐप्स इस्तेमाल करने वाले करोड़ों यूजर्स के लिए काम की खबर है। 1 अगस्त से नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई अपने एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफे इस्तेमाल को लेकर नए नियम ला रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह तकनीकी बदलाव अगस्त से लागू होगा। आपको विषय टेक्निकल लग सकता है, लेकिन यह सीधे तौर पर आपके यूपीआई चलाने के तरीके को बदल सकता है। फाइनेंशल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, नया नियम लाने का मकसद यूपीआई सिस्टम में पड़ रहे बोझ को कम करना है। इसका असर यह होगा कि आप यूपीआई ऐप से जो बैलेंस चेक करते हैं, उस पर लिमिट लग जाएगी। जो आपने ऑटो पेमेंट सेट किए हैं, उनमें चेंज आएगा। आइए इस बारे में वस्तिार से समझते हैं।पेमेंट बढ़ने से सिस्टम पर आ रहा लोड

रिपोर्ट के अनुसार, यूपीआई पेमेंट की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। हर महीने करीब 16 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए जा रहे हैं। इतनी बढ़ी संख्या में ट्रांजैक्शंस के होने से यूपीआई सिस्टम पर लोड बढ़ रहा है। हाल के दिनों में बैंकों की तरफ से सिस्टम का गलत इस्तेमाल करने के मामले सामने आए थे। साथ ही कुछ तकनीकी कमजोरियां भी दिखी थीं। इनसे निपटने के लिए 1 अगस्त से कुछ चेंज किए जा रहे हैं।

5 घंटे तक ठप पड़ी थी सर्विस

रिपोर्ट के अनुसार, बीते दो-तीन महीनों में कई वाकये हुए जब यूपीआई पेमेंट डाउन हुआ। कहा जाता है कि 12 अप्रैल को 5 घंटे तक पेमेंट डाउन रहने से लोग काफी परेशान हुए। यह तीन साल में सबसे लंबा आउटेज था। यूपीआई की वजह से कई लोगों ने वॉलेट रखना छोड़ दिया है या फिर वॉलेट में पैसे नहीं रखते। ऐसे में अगर यूपीआई ही डाउन हो जाए तो लोगों को कितनी अधिक परेशानी होगी। इसी से निपटने के लिए नियमों में बदलाव किया जा रहा है।

1 मिनट डाउन होने का मतलब 4 लाख लोग परेशान

रिपोर्ट बताती है कि यूपीआई पेमेंट का दायरा इतना बढ़ गया है कि इसमें जरा सी रुकावट लाखों की संख्या में यूजर्स को परेशान करती है। कहा जाता है कि हर सेकंड 7 हजार ट्रांजैक्शंस यूपीआई के जरिए प्रोसेस किए जा रहे हैं। अगर एक मिनट भी यूपीआई डाउन होता है यानी आपका फोनपे, पेटीएम या गूगलपे नहीं चलता तो 4 लाख लोग प्रभावित होते हैं। 10 मिनट यूपीआई डाउन होने पर 40 लाख लोग प्रभावित होते हैं। मौजूदा वक्त में यूपीआई पेमेंट करने वालों की संख्या 40 करोड़ से ज्यादा बताई जाती है। हाल में हुई जांच में सामने आया कि यूपीआई डाउन होने की अहम वजह बार-बार की जाने वाली एपीआई रिक्वेस्ट है, जिसकी वजह से सिस्टम पर लोड आ गया। 'चेक ट्रांजैक्शन' एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफे रिक्वेस्ट अधिक आने से मार्च और अप्रैल में यूपीआई पर असर पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में बैंकों को कुछ नियमों का पालन करना था, पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। एनपीसीआई ने सभी बैंकों और ढरढ यानी फोनपे, पेटीएम, गूगलपे आदि पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स से कहा है कि 31 जुलाई तक 10 सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले एपीआई को कंट्रोल किया जाए। यानी अगर यूजर्स यूपीआई ऐप पर बैलेंस ज्यादा चेक करते हैं तो अब ऐसा नहीं कर पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यूजर अब अपने ऐप पर रोजाना 50 बार बैलेंस चेक कर सकेंगे। मोबाइल नंबर से कितने अकाउंट जुड़े हैं, यह भी रोजाना 25 बार से ज्यादा नहीं देखा जा सकेगा।

पालघर जिले में तीसरी मोबाइल मेडिकल वैन शुरू

पालघर : ग्लोबल फार्मास्युटिकल लीडर-लुपिन लिमिटेड (लुपिन) की सीएसआर शाखा, लुपिन 'मन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन (लुपिन फाउंडेशन) ने महाराष्ट्र सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पालघर जिले में तीसरी मोबाइल मेडिकल वैन (एमएमवी) शुरू कर दी है। इस वैन की शुरूआत 'लाइव्स' कार्यक्रम के तहत की गई है। यह मोबाइल मेडिकल वैन गोरहे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से माननीया मेघना साकोरे-बोरदिकर, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, महाराष्ट्र सरकार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई।

इस अवसर पर पालघर से सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवरा, विक्रमगढ़ व वाडा से विधायक श्री हरीचंद्र भोये, पालघर विधायक श्री राजेंद्र गावित, जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज राणाडे, अतिरिक्त कलेक्टर श्री भाऊसाहेब फटांगरे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, गोरहे की सरपंच श्रीमती अर्चना गोवारी, लुपिन और फाउंडेशन की सीएसआर प्रमुख तुषारा शंकर और लुपिन तारापुर के साइट हेड श्री आकाश पटेल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेघना साकोरे-बोरदिकर ने कहा, ''इस मोबाइल मेडिकल वैन की शुरूआत हमारे ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अक्सर देखा जाता है कि दूर-दराज के क्षेत्रों में लोगों के लिए इलाज तक पहुँच एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में, हमें खुशी है कि लुपिन हमारे इस प्रयास में साझेदार बना है और सबके लिए समान व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने की इस यात्रा में साथ दे रहा है। इस पहल का उद्देश्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की समय पर पहचान और इलाज को बेहतर बनाना है।'' यह 'लाइव्स' कार्यक्रम के तहत शुरू की गई तीसरी मोबाइल मेडिकल वैन है, जो पालघर जिले के जव्हार और वाडा ब्लॉक्स में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करेगी। यह वैन इन क्षेत्रों की 4 लाख से अधिक आबादी को कवर करेगी। वर्तमान में जिले में पहले से ही दो वैन कार्यरत हैं, जिनमें से एक पालघर और डहाणू ब्लॉक्स में तथा दूसरी विक्रमगढ़ और तलासरी ब्लॉक्स में सेवाएँ दे रही है। लुपिन तथा लुपिन 'मन वेलफेयर एंड रिसर्च फाउंडेशन की सीएसआर प्रमुख, तुषारा शंकर ने 'लाइव्स' कार्यक्रम के प्रेरक विचार के बारे में बात करते हुए कहा, ''मोबाइल मेडिकल वैन के जरिए और स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर, हमारा उद्देश्य यही है कि गैर-संचारी रोगों की पहचान समय पर हो, इलाज भी समय पर मिले और उनकी सही तरीके से देखभाल हो सके।

मुंबई : शिवसेना यूबीटी में राजनीतिक अहंकार जैसी कोई बात नहीं - संजय राउत

मुंबई : शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत से जब मनसे से संभावित गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शिवसेना यूबीटी आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने को तैयार है और राजनीतिक अहंकार जैसी कोई बात नहीं है। राउत ने कहा कि मराठी मानुष की भलाई के लिए जो भी संभव होगा, वे करने के लिए तैयार हैं। शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे के बीच गठबंधन को लेकर बीते कई दिनों से चर्चा चल रही है और दोनों तरफ से इसे लेकर सकारात्मक बयानबाजी भी सामने आई है।

संजय राउत बोले- कोई अहंकार नहीं है

अब शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'हम आगे या पीछे, कोई भी कदम उठाने के लिए तैयार हैं और कोई राजनीतिक अहंकार की बात नहीं है।' संजय राउत का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब मनसे ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि अगर शिवसेना यूबीटी मनसे के साथ गठबंधन करना चाहती है तो उसके लिए शिवसेना यूबीटी को पहल करनी होगी। बीते दिनों राज ठाकरे ने एक पॉडकास्ट के दौरान शिवसेना यूबीटी के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बयान दिया था। उसके बाद शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भी गठबंधन को लेकर सकारात्मक बयान दिए, जिससे दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा छिड़ गई थी।

गठबंधन की चचाएं जारी

राज ठाकरे ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि मराठी मानुष के हितों के लिए एकजुट होना मुश्किल बात नहीं है। उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि वे मतभेद भुलाकर महाराष्ट्र के हितों के लिए साथ काम करने को तैयार हैं। शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने अपने बयान में कहा कि मुंबई, मराठी लोगों और महाराष्ट्र के लिए साफ दिल और दिमाग से काम करने की इच्छा रखने वालों के साथ हम गठबंधन के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अभी दोनों पार्टियों की तरफ से महज बयानबाजी हुई है और उससे आगे बात नहीं बढ़ी है।

एयरपोर्ट पर थाईलैंड से दुर्लभ जीवों की तस्करी करते व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : एयरपोर्ट पर एक व्यक्ति को थाईलैंड से दुर्लभ और संरक्षित वन्य जीवों की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया गया। कस्टम विभाग को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। जैसे ही आरोपी बैंकॉक से फ्लाइट से मुंबई पहुंचा, कस्टम अधिकारियों ने उसके बैग की जांच की। जांच में 80 इगुआना (जिनमें से 30 मरे हुए थे), 6 ल्यूसिस्टिक शुगर ग्लाइडर, 2 क्रेस्टेड फिंचबिल, एक-एक मृत फायर-टेल सनबर्ड और पर्पल थ्रोटेड सनबर्ड, 1 हनी बियर, 2 ब्राजीलियन चेरी हेड कछुए और दो अलग-अलग प्रजातियों की टारेंटुला मकड़ियां बरामद हुईं।

ठाणे : हरिद्वार जा रहे व्यापारी की चलती ट्रेन पकड़ते समय गिरकर मौत

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले के रहने वाले एक 55 वर्षीय व्यापारी की सोमवार को नासिक रोड स्टेशन पर चलती ट्रेन पकड़ने के दौरान गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक हरेश खेमचंद उदासी अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ हरिद्वार जा रहे थे। हरेश उदासी (निवासी उल्हासनगर) अपनी पत्नी, बेटे और 18 रिश्तेदारों के साथ कल्याण से सुबह 8:30 बजे हरिद्वार एक्सप्रेस में सवार हुए थे। ट्रेन करीब 11:10 बजे नासिक रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर रुकी, जहां उदासी पानी की बोतल लेने के लिए नीचे उतरे।

थोड़ी देर बाद ट्रेन चलने लगी और उदासी उसे पकड़ने की कोशिश में असंतुलित होकर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिर पड़े। उनके सिर, हाथ और सीने में गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत नासिक जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन जान नहीं बच सकी।

रेलवे पुलिस ने हादसे का मामला दर्ज कर लिया है। यह हादसा उसी दिन हुआ जब मुम्ब्रा के पास दो ट्रेनें क्रॉस करते वक्त चार यात्रियों की गिरकर मौत हो गई और नौ घायल हो गए।

एनसीपी के दोनों गुटों के साथ आने की अटकलों को सुनील तटकरे ने कर दिया खारिज

मुंबई : एनसीपी के दोनों गुटों ने मंगलवार को अपने-अपने कार्यालयों में पार्टी का झंडा फहराकर 26वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि पार्टी का एनडीए में शामिल होने का फैसला सामूहिक था। इस दौरान उन्होंने पार्टी के दोनों गुटों के साथ आने की अटकलों को खारिज कर दिया।

एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने मंगलवार को पार्टी के एनडीए में शामिल होने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी का एनडीए में शामिल होने का फैसला सामूहिक था। यह किसी एक व्यक्ति का फैसला नहीं था।

तटकरे मंगलवार को एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एनसीपी के दोनों गुटों के साथ आने की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ किया कि एनसीपी के शरद पवार वाले गुट के साथ फिर से एक होने की कोई बात नहीं चल रही है। बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) भी पुणे में अपना स्थापना दिवस मना रही है। एनसीपी अध्यक्ष तटकरे ने बताया कि 2014 से कई बार पार्टी ने एनडीए में जाने का विचार किया था, लेकिन हर बार आखिरी समय में फैसला बदल गया। उन्होंने कहा कि 2023 में अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी ने लोगों के कल्याण के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि यह किसी एक व्यक्ति का निर्णय नहीं था। पार्टी का सामूहिक फैसला था।

एनडीए में शामिल होकर भी नहीं छोड़ी मूल विचारधारा

तटकरे ने आगे कहा कि एनसीपी ने एनडीए में शामिल होकर भी अपनी धर्मनिरपेक्ष और छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर और शाहू महाराज की विचारधारा को नहीं छोड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की यात्रा जारी रहेगी।

दोनों गुटों के स्थापना दिवस के सवाल बोले तटकरे

पत्रकारों ने जब तटकरे से पूछा कि पुणे में दोनों गुट अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं, इस पर आपका क्या कहना है। सवाल के जवाब में तटकरे ने कहा कि एनसीपी की स्थापना 10 जून 1999 को हुई थी और चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को मान्यता दी है, इसलिए दोनों को स्थापना दिवस मनाने का अधिकार है। लोकसभा सांसद ने यह भी कहा कि दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई बातचीत नहीं चल रही है और पार्टी को ऐसा कोई प्रस्ताव भी नहीं मिला है।

2019 में एनसीपी-कांग्रेस और शिवसेना ने मिलकर बनाई थी सरकार

गौरतलब है कि 2019 में, अविभाजित एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना ने मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाई थी, जिसे महा विकास अघाड़ी (एमवीए) कहा गया। हालांकि, 2022 में एमवीए सरकार गिर गई। 2023 में, उस समय विपक्ष में रहे अजित पवार एनसीपी विधायकों के सत्ताधारी भाजपा-शिवसेना गठबंधन में शामिल हो गए और उपमुख्यमंत्री बने।

मुंबई: पैदल जा रही महिला से चेन छीनने के मामले में दो गिरफ्तार

मुंबई: माटुंगा पुलिस ने दादर टीटी के पास पैदल जा रही एक महिला से चेन छीनने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कथित तौर पर उसका मंगलसूत्र छीन लिया और मौके से भाग गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलीम मतीन सैयद उर्फ मूसा, 44, और अकबर अहमद सैयद, 45 के रूप में हुई है, जो दोनों माहिम के निवासी हैं। पुलिस ने 11.980 ग्राम वजन के दो सोने के टुकड़े बरामद किए, माना जाता है कि चोरी किए गए मंगलसूत्र और सोने की चेन से पिघलाए गए थे। पुलिस के अनुसार, घटना 18 मई को रात करीब 9:15 बजे हुई, शिकायतकर्ता महिला तिलक ब्रिज फुटपाथ पर दादर टीटी की ओर जा रही थी। उसका पीछा कर रहे आरोपियों में से एक ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और मौके से भाग गया।

मुंबई: केयरटेकर द्वारा रची गई धोखाधड़ी; 6 करोड़ रुपये का नुकसान

मुंबई: आईआईटी बॉम्बे के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर कथित तौर पर अपने केयरटेकर द्वारा रची गई एक बड़ी धोखाधड़ी का शिकार हो गए, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें लगभग 6 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आरोपी की पहचान निकिता नाइक के रूप में हुई है, जिस पर पवई पुलिस ने धोखाधड़ी, चोरी और आपराधिक विश्वासघात के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है। पवई के हीरानंदानी गार्डन में रहने वाले 82 वर्षीय प्रोफेसर 2005 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से अकेले रह रहे हैं। उनकी पत्नी और बेटा पुणे में रहते हैं, जबकि उनकी बेटी पवई के दूसरे हिस्से में रहती है। पिछले कुछ वर्षों में, प्रोफेसर, जिनके पास इलाके में चार फ्लैट हैं और पांच बैंक खाते हैं, कम होती दृष्टि और उम्र से संबंधित समस्याओं के कारण केयरटेकर की सहायता पर बहुत अधिक निर्भर थे।

मुंबई: फुटपाथ पर सो रहे 65 वर्षीय बेघर व्यक्ति की पत्थर से कूचकर बेरहमी से हत्या

मुंबई: सीबीडी बेलापुर के शाहबाज गांव के पास फुटपाथ पर सो रहे 65 वर्षीय बेघर व्यक्ति की पत्थर से कूचकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी की पहचान अभिषेक पाल (35) के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय निवासियों ने पकड़ लिया और पुलिस को सौंपने से पहले उसकी पिटाई कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित प्रकाश लोखंडे शाहबाज गांव के पास एक पुल के नीचे रह रहा था। करीब 3:30 बजे एपीएमसी मार्केट इलाके में रहने वाले पाल ने कथित तौर पर सोते समय लोखंडे के सिर पर पत्थर से वार कर दिया। हंगामा सुनकर, स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और पाल को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। सीबीडी पुलिस जल्द ही पहुंची, आरोपी को भीड़ से बचाया और उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक स्थल निरीक्षण के बाद लोखंडे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मुंबई-गोवा रोरो फेरी सेवा का अध्ययन; परीक्षण को मंजूरी का इंतजार

मुंबई: मुंबई से कोंकण और गोवा तक बहुप्रतीक्षित रोरो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा अभी भी योजना के चरण में है, इसके लॉन्च पर कोई अंतिम पुष्टि नहीं हुई है। मझगांव में फेरी घाट और अलीबाग के पास मांडवा के बीच मौजूदा रोरो परिचालन से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, कोंकण और गोवा क्षेत्रों में सेवा का विस्तार करने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए वर्तमान में एक मार्ग अध्ययन चल रहा है। अंदरूनी सूत्र ने कहा कि अध्ययन पूरा होने के बाद ही ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। मांडवा मार्ग पर रोरो सेवा पहले से ही समय बचाने वाला विकल्प साबित हुई है, जिससे सड़क मार्ग से यात्रा का समय 3.5 घंटे (111 किमी) से घटकर समुद्र मार्ग से केवल 1 घंटा (19 किमी) रह गया है। गोवा और कोंकण तक संभावित विस्तार से यात्रा में काफी आसानी होने की उम्मीद है, खासकर वार्षिक गणेशोत्सव के दौरान जब हजारों लोग मुंबई से क्षेत्र में अपने गृहनगर जाते हैं।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ रुपये के घोटाले में कई अहम खुलासे

मुंबई : महाराष्ट्र में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ रुपये के घोटाले में चल रही जांच में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने कई अहम खुलासे किए हैं. जांच के दौरान पता चला है कि झारखंड से गिरफ्तार आरोपी राजीव रंजन पांडेय ने फर्जी नाम का इस्तेमाल कर मुख्य आरोपी हितेश मेहता से 15 करोड़ रुपये उधार लिए थे. पांडेय ने इस धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए धारावी के निवासी और मेहता के यहां काम करने वाले समीर शेख का सहारा लिया. ईओडब्ल्यू के मुताबिक, समीर शेख ने मेहता को पांडेय का नाम 'पवन गुप्ता' बताया और यही नाम इस्तेमाल कर पांडेय ने 15 करोड़ रुपये मेहता से लिए थे. समीर शेख ने मेहता से पैसे लेते समय बताया कि पवन गुप्ता उसी ट्रस्ट का मालिक है, जिसमें 15 करोड़ रुपये डाले जाएंगे और इसका सर्टिफिकेट भी वही जारी करेगा.

ईओडब्ल्यू ने समीर शेख का किया बयान दर्ज

इस दौरान, समीर शेख ने मेहता से पैसे लेने के बाद पांडेय को फोन किया और उसे जानकारी दी. पांडेय ने शेख को घर लौटने का निर्देश दिया. ईओडब्ल्यू ने समीर शेख का बयान दर्ज किया, जिसमें उसने सभी घटनाओं की पुष्टि की है.जांच में यह भी पता चला कि मेहता से 15 करोड़ रुपये सांताक्रुज इलाके में किराए पर लिए गए एक दफ्तर में लिए गए थे. यह दफ्तर पांडेय के एक गुर्गे ने तीन महीने के लिए किराए पर लिया था और हर महीने 25,000 रुपये किराया चुका रहा था.

सूत्रों के अनुसार, मेहता और पांडेय के बीच यह डील एक बाबा के माध्यम से हुई थी, जो मेहता के घर में पूजा पाठ का काम करता था. बाबा ने मेहता से कहा कि उसके पास 15 करोड़ रुपये हैं, जिन्हें वह सफेद करना चाहता है और इसके बाद बाबा ने पांडेय के गुर्गों से मेहता को मिलवाया. सांताक्रुज ऑफिस में हुई बैठकों के दौरान मेहता और पांडेय के बीच डील पक्की हुई. बातचीत के दौरान पांडेय ने अपना नाम पवन गुप्ता बताया.

मुंबई : मोबाइल चोरी के संदेह में दोस्तों के बीच हुई हिंसक झड़प... 22 वर्षीय युवक गिरफ्तार

मुंबई : मोबाइल फोन चोरी के संदेह में दोस्तों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद वडाला टीटी पुलिस ने 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। पेट में चाकू लगने से पीड़ित को गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज सायन के लोकमान्य तिलक अस्पताल में चल रहा है। झड़प में शामिल एक अन्य व्यक्ति के सिर में भी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, एंटॉप हिल के निवासी फैजान शेख, मोहम्मद हसनैन और आसिफ खान बकरीद मनाने के लिए इलाके में मिले थे। इस दौरान आसिफ खान ने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग के लिए पास की एक दुकान पर रख दिया था,

लेकिन बाद में वह भूल गया। उसने सोचा कि फोन चोरी हो गया है, इसलिए उसने फैजान पर फोन ले जाने का आरोप लगाया, जिससे दोनों में तीखी बहस हुई। शाम को जब तीनों फिर मिले तो विवाद बढ़ गया। झड़प के दौरान आसिफ खान और मोहम्मद हसनैन ने कथित तौर पर फैजान पर हमला कर दिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com